विष उपविष

वै.कविता शैलेश देशमुख
प्रपाठक- रसशास्त्र भैषज्यकल्पना

विष-
स्थावर- वनस्पतिज,खनिज
जंगम- प्राणिज
कृत्रिम – गर विष
स्थावर – विष, उपविष
विष- वत्सनाभ,श्रृंगिक,कालकुट
उपविष- ९-
कुचला,अहिफेन,जयपाल,धत्तुर,गुंजा,भंगा,
भल्लातक,करवीर,लांगली,
अर्कक्षीर,स्नुहीक्षीर

विष गुण- लघु,रुक्ष,आशुकारी, विशद,तीक्ष्ण,विकासी,सुक्ष्म,उष्ण,व्यवायी, अव्यक्त रस

शोधन-

रसायन,योगवाही,त्रिदोषनाशक,बृहण,वीर्य वर्धक,प्राणदायी

वत्सनाभ-विष- Aconitum Ferox
पर्यायी नावे- बचनाग,विष,अमृत,वत्सनाग
प्रकार- कृष्ण,कपीश,पांडुर
पांडुर- ग्राह्य
हिमालय,काश्मीर,उत्तर प्रदेश

alamy stock photo

अशुद्ध वत्सनाभ- हृदय अवसादक
शोधन-
वत्सनाभ - छोटे तुकडे-गोमुत्र- ७ दिवस
भिजत ठेवणे- दोलायंत्रात गोदुग्ध स्वेदन- ३ तास

गुण कर्म- कटु, तिक्त, कषाय,उष्ण वीर्य
रसायन,योगवाही,त्रिदोषनाशक
अग्निदीपक,आमपाचक
विशेषतः- वात कफ नाशक
ज्वर, हृदय रोग,आमवात,कुष्ठ, पांडु, ग्रहणी

Antidote- Tankan

कल्प- त्रिभुवन किर्ति, सुतशेखर,हिंगुलेश्वर, आनंदभैरव,संजीवनी वटी, कफकेतु रस

कुचला- विषतिंदुक,कारस्कर,विषमुष्टिक
Strychnus Nux Vomica

दक्षिण भारत,बंगाल

शोधन- गोदुग्ध स्वेदन- ३ तास
बीजावरील साल काढणे-सुकविणे

तिक्त, कटु, कषाय,लघु,उष्ण,तीक्ष्ण,मधुर
विपाकी
कफ वात शामक,पित्तशामक
दीपन,पाचन,मुत्रल,मेदोहर
नाडीवह संस्थानाला बल्य

विष चिकित्सा- नागवल्ली पत्र स्वरस+गोघृत
कल्प- अग्नितुंडी रस,नवजीवन
रस,लक्ष्मीविलास रस,विषतिंदुक
वटी,कारस्करादी योग

अहिफेन- Papaver Somniferum
अफेन,निफेन,अफु,नागफेन
भारत- बिहार,राजस्थान,उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश
शोधन-अहिफेन निर्यास-पाण्यामधे एकत्र करुन गाळुन घेणे- गोदुग्ध स्वेदन-आर्द्रक स्वरस- ७ भावना

तिक्त रस,ग्राही,
दिपन,पाचन,स्तंभन,निद्राजनन,वेदनाहर
शुक्रस्तंभक,गर्भस्त्रावरोधक,
रक्तस्त्रावरोधक,कफ नाशक
अतिसार,प्रवाहिका,ग्रहणी,निद्रानाश,
शोथ-वेदनाशमन
विषप्रभाव चिकित्सा- कांक्षी चुर्ण+आर्द्रक
स्वरस,हिंगु जल,पिप्पलत्वक कषाय

कल्प-
निद्रोदयरस,अहिफेनासव,वेदनान्तक मलहर

जयपाल- Croton seeds

जयपाल,जेपाल,जमालगोटा,रेचक,मलद्रावी विभेदन

शोधन- पाण्यात भिजविणे- साल काढुन
दोन दले वेगळे करणे-मधील अंकुर काढणे
गोदुग्ध-दोलायंत्रात स्वेदन- ३ तास

विषचिकित्सा- लिंबु स्वरस,उष्ण जल,गोधृत

तिक्त रस,उष्ण वीर्य,गुरु, सर
विरेचक,वान्तिकर,
वात कफ नाशक,पित्तकर
जलोदर,कृमि,कुष्ठ नाशक.ज्वर नाशक

कल्प – इच्छाभेदी रस,जलोदरारी
रस,ज्वरारी रस

धत्तुर- Dhattura Stramonium
धतुरा,उन्मत्त,कनक शठ,कण्ट्क फल

शोधन- गोदुग्ध स्वेदन दोलायंत्र -३ तास

कटु,तिक्त,कषाय,मधुर रस,उष्ण वीर्य,गुरु अग्निदीपक,स्तंभन,कृमीघ्न,कुष्ठ ,कंडु नाशक,कफनाशक

विष चिकित्सा- गोदुग्ध,गोमुत्र,वचा चुर्ण

कल्प- कनकासव,त्रिभुवन किर्ती,सुतशेखर